हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 29 ● भिलाई, शनिवार 15 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

लेह में भूकंप के तेज झटके, 5.5 रही तीव्रता, 10 किलोमीटर की गहराई पर था केंद्र

लेह। लेह में सुबह 6:05 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र जमीन से सिर्फ 10 किलोमीटर नीचे था और इसका केंद्र बिंदु 36.881 डिग्री नॉर्थ, 74.402 डिग्री ईस्ट पर दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने 'एक्स' पोस्ट के जरिए बताया कि फिलहाल किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है। उथला भूकंप होने के कारण झटके काफी तेज महसूस किए गए। उथला भूकंप वह भूकंप है जिसका उद्गम केंद्र पृथ्वी की सतह से 0 से 70 किलोमीटर की गहराई के भीतर होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार भूकंप पृथ्वी की सतह से लेकर 700 किलोमीटर तक की गहराई में आ सकते हैं। यूएसजीएस के आंकड़ों के मुताबिक इस पूरी रेंज को तीन हिस्सों में बांटा गया है, जिमसें उथला, मध्यम और गहरा भूकंप शामिल हैं। उथले भूकंप आमतौर पर ज्यादा खतरनाक माने जाते हैं।

बधाई एवं अवकाश सूचना

समस्त सुधिपाठकों को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर लोकतंत्र प्रहरी के कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: हमारा अगला अंक 17 अगस्त को प्रकाशित होगा।

-संपादक

राष्ट्रपति मुर्मू का देश के नाम संदेश

सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में-राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। एजेंसी

80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ ही घंटों बाद भारत की आजादी के 80वें साल की शुरुआत होने जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ने हर नागरिक से देश के लिए जागरूक रहने और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने की अपील की। अपने भाषण में उन्होंने देश की तरक्की, संविधान, विदेश नीति, सरदार पटेल, सिंधु जल संधि और सरकार की कई योजनाओं के बारे में बात की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले भारतीय स्वतंत्रता दिवस का त्योहार खुशी के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि हर भारतीय को अपने सपनों को पूरा करने के साथ देश सर्वश्रेष्ठ बनाने में भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए। देश की तरक्की में योगदान देना ही आजादी की असली कीमत है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों, मजदूरों और किसानों की मेहनत की तारीफ की। राष्ट्रपति ने कहा कि सभी लोग अपने-अपने काम से देश को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारा संविधान जनता की भागीदारी पर आधारित है। देश के लोग इस भावना को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने इसे भारतीय लोकतंत्र की बड़ी ताकत बताया। राष्ट्रपति ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की भी बात की। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक

हिंसा के कारण लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर शरणार्थी बनना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत की विदेश नीति देश के हित को ध्यान में रखकर बनाई जाती है। आर्थिक सहयोग बढ़ाने और दूसरे देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने के लिए भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों में भारत आगे बढ़कर काम कर रहा है। दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। राष्ट्रपति ने पर्यावरण को बचाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ियों को प्राकृतिक संसाधनों की कमी का सामना करना पड़े। पर्यावरण की रक्षा करना हमारी परंपरा का हिस्सा है। राष्ट्रपति ने सरदार वल्लभभाई पटेल को याद किया। उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ था, तब 550 से ज्यादा रियासतों को भारत से जोड़ना बड़ी चुनौती थी। सरदार पटेल ने इन रियासतों को भारत में मिलाया। राष्ट्रपति ने लौहपुरुष सरदार पटेल को नमन करते हुए उन्हें आधुनिक भारत का शिल्पकार बताया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि न्याय व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि पैसे या संसाधनों की कमी के कारण किसी को न्याय से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में है।

मराठा किलों के बाद सारनाथ को यूनेस्को की मान्यता-राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह भी कहा कि पिछले सात मराठा सैन्य परंपरा से जुड़े 12 किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था। इस साल भगवान बुद्ध के पहले उपदेश स्थल सारनाथ को भी यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में जगह मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण की सराहना करते हुए कहा, 'स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बहुत ही विचारशील और प्रेरक संबोधन दिया है। इसमें उन्होंने हमारे राष्ट्र की सामूहिक प्रगति और भविष्य के अवसरों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला है। उन्होंने हमें उन बलिदानों की याद दिलाई जिनसे देश की आजादी का मार्ग प्रशस्त हुआ, और प्रत्येक नागरिक से राष्ट्र-निर्माण में बढ़-चढ़कर योगदान देने का आह्वान किया है।

सीजेआई सूर्यकांत ने बीसीआई को फटकार लगाई

ये मेरे और छात्रों के बीच की बात,बार काउंसिल दखल न दें

नई दिल्ली/ एजेंसी

हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी और सीजेआई सूर्यकांत विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया को फटकार लगाई है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यह छात्रों और मेरे बीच की बातचीत है। बीसीआई इसमें दखल देने वाला कौन होता है? चीफजस्टिस ऑफ़ इंडिया ने कहा कि अगर एनएएलएसएआर के छात्र मेरा विरोध कर रहे हैं तो इसमें बार काउंसिल आफ इंडिया को दखल देने की कोई जरूरत नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत ने बीसीआई के उस सर्कुलर पर नाराजगी जताई जिसमें एनएएलएसएआर के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने को कहा गया था। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी राज्य बार काउंसिल छात्रों का बतौर वकील नामांकन नहीं रोकेंगे। इस पूरे मामले पर देश के शीर्ष न्यायालय ने बीसीआई नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने एनएएलएसएआर के छात्रों और फैकल्टी के खिलाफ

कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि जब वह छात्र थे, तब वह भी तमाम मुद्दों को लेकर बहुत सक्रिय रहते थे। अपनी बात कुछ रखने के लिए छात्रों पर कोई कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि अगर कोई कम उम्र का युवा हमारे विरोध में भी कोई बात कहता है तो उसे ऐसा कहने दीजिए। हम तो चाहते हैं कि इन छात्रों को जल्द लाइसेंस मिले। वह सुप्रीम कोर्ट आ कर प्रैक्टिस करें। हम उन्हें लीगल सर्विस ऑथोरिटी में काम करने का मौका देंगे।

यह उन लोगों के लिए सबसे बेहतर जवाब होगा जो उनके करियर को प्रभावित करना चाहते हैं। दरअसल नेशनल लॉ कॉलेज ने अपने दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था। हालांकि छात्रों ने सीजेआई सूर्यकांत के हाथों डिग्री लेने का विरोध किया। इसके कारण कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। छात्रों के विरोध पर एक्शन लेते हुए बार काउंसिल इंडिया यानी बीसीआई अध्यक्ष और भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने सीजेआई सूर्य कांत का विरोध करने वाले 2026 बैच के छात्रों को देशभर में वकालत के लिए रजिस्टर्ड नहीं करने का आदेश दिया। पूरे मामले में बीसीआई ने अपने आदेश में एनएएलएसएआर से तीन दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया था। रिपोर्ट मिलने के बाद 19 अगस्त को आगे की कार्रवाई पर फैसला लेने की बात कही गई थी.बीसीआई का कहना था कि न्यायपालिका के सर्वोच्च पद का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बीसीआई के वकील ने बताया कि संबंधित आदेश को वापस ले लिया गया है।

80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह : लाल किले पर पहली बार गाया जाएगा वंदे मातरम्

नईदिल्ली। देश कल यानी 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लाल किले से 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। यह भव्य कार्यक्रम राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150 साल पुरानी विरासत को याद करने और 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने की यात्रा में 'युवा शक्ति' की ऊर्जा का जश्न मनाने की थीम पर आयोजित होगा। समारोह में 'वंदे मातरम' गीत की प्रस्तुति दी जाएगी। यह आजाद भारत में पहली बार होगा, जब लाल किले पर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् पूरा गाया जाएगा। वहीं इस साल लाल किले पर होने वाले जश्न को देखने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से लगभग 5,000 खास मेहमानों को बुलाया गया है। लाल किले पर पहुंचने पर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। रक्षा सचिव, प्रधानमंत्री को दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल राजेश सेठी से मिलवाएंगे। इसके बाद, दिल्ली क्षेत्र के लब्धिष्ट प्रधानमंत्री को सैल्यूटिंग बेस तक ले जाएंगे, जहां इंटर-सर्विसेज और दिल्ली पुलिस का संयुक्त गार्ड नरेंद्र मोदी को 'जनरल सैल्यूट' देंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण करेंगे। गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करने के बाद, प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर की ओर बढ़ेंगे, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन और थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ उनका स्वागत करेंगे।

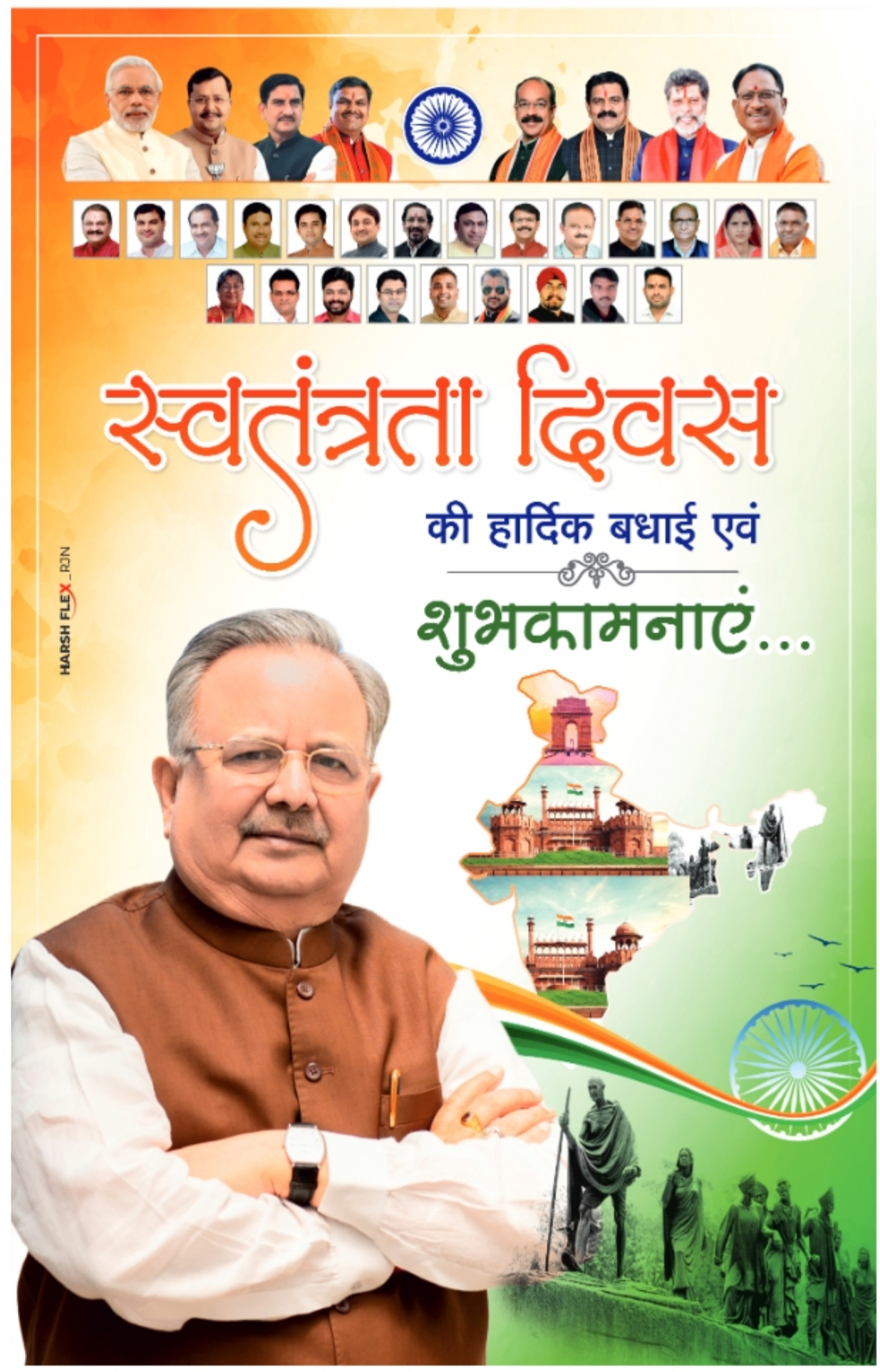

राज्य और जिला स्तरीय समारोह के लिए मुख्य अतिथियों की सूची जारी

स्वतंत्रता दिवस 2026-सीएम साय रायपुर में करेंगे ध्वजारोहण

रायपुर। संवाददाता

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर छत्तीसगढ़ में राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय समारोहों के लिए मुख्य अतिथियों की सूची जारी कर दी गई है। राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे और राज्य की विकास यात्रा के साथ भावी योजनाओं को साझा करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी सूची के अनुसार, प्रमुख जिला मुख्यालयों में मुख्य अतिथि के रूप में राजनांदगांव जिला मुख्यालय में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे साथ ही जनता को संबोधित करेंगे। बिलासपुर जिला मुख्यालय में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, दुर्ग जिला मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, बस्तर जिला मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर परेड की सलामी लेंगे और जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। सरगुजा जिला मुख्यालय में आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, महासमुंद जिला मुख्यालय में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय में वन मंत्री केदार कश्यप, कबीरधाम जिला मुख्यालय में उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के जिला मुख्यालय में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर परेड की सलामी लेंगे। इसी प्रकार रायगढ़ जिला मुख्यालय में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, कांकेर जिला मुख्यालय में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सूरजपुर जिला मुख्यालय में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा जिला के जिला मुख्यालय में कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, जशपुर जिला मुख्यालय मेंपर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, बालोद जिला मुख्यालय में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर परेड की सलामी लेंगे और जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। बलौदाबाजार-भाटापारा जिला के जिला मुख्यालय में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा जिला मुख्यालय में सांसद विजय बघेल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला के जिला मुख्यालय में सांसद संतोष पांडेय, कोंडागांव जिला मुख्यालय में सांसद भोजराज नाग, बलरामपुर जिला मुख्यालय में सांसद चिंतामणि महाराज, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला के जिला मुख्यालय में सांसद राधेश्याम राठिया स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे।

गरियाबंद जिला मुख्यालय में सांसद रूपकुमारी चौधरी, सक्ती जिला मुख्यालय में सांसद कमलेश जांगड़े, बीजापुर जिला मुख्यालय में सांसद महेश कश्यप, सुकमा जिला मुख्यालय में राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिला के जिला मुख्यालय में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे और जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। कोरबा जिला मुख्यालय में विधायक अमर अग्रवाल, धमतरीजिला मुख्यालय में विधायक अजय चंद्राकर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला के जिला मुख्यालय में विधायक धरमजीत सिंह, मुंगेली जिला मुख्यालय में विधायक पुन्नूलाल मोहले, कोरिया जिला मुख्यालय में विधायक भैया लाल राजवाड़े, नारायणपुर जिला मुख्यालय में विधायक सुश्री लता उसेंडी, स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण के बाद जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे।

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता
दिवस की
हार्दिक बधाई
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें
एक सशक्त, समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़
के निर्माण में अपना योगदान देंगे।
मा. प्रेमप्रकाश पांडेय जी
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ,छत्तीसगढ़

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता
दिवस की
हार्दिक बधाई
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें
एक सशक्त, समृद्ध और विकस्ति छत्तीसगढ़
के निर्माण में अपना योगदान देंगे।
मा. विजय बघेल जी
सांसद दुर्ग लोकसभा क्षेत्र

समस्त प्रदेश वासियों को

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें
एक सशक्त, समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़
के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

मा. ललित चंद्राकर

राज्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन

समस्त प्रदेश वासियों को

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें
एक सशक्त, समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़
के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

मा. रिकेश सेन

विधायक - वैशाली नगर विधानसभा

संपादकीय

सुरक्षित हो डिजिटल वर्ल्ड, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बढ़ी चिंता

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर डिजिटल वर्ल्ड को सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। अमेरिकी अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी पर 5000 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। अदालत ने कंपनी को बच्चों की सुरक्षा के लिए प्लेटफॉर्म में बदलाव करने के लिए कहा है।बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर अमेरिका की एक अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा पर करीब 5,390 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने पिछले साल 60 अरब डॉलर से ज्यादा की कमाई की थी। ऐसे में जुर्माने की रकम से ज्यादा महत्वपूर्ण अदालत का यह आदेश है कि कंपनी को बच्चों की सुरक्षा के लिए अपने प्लैटफॉर्म में बदलाव करने होंगे।नाकाम रही कंपनी। न्यू मेक्सिको की अदालत ने माना कि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म बच्चों की सेहत के लिए नुकसानदेह है। इन प्लैटफॉर्म को जानबूझकर इस तरह से डिजाइन मेट किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाए। नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने में भी कंपनी नाकाम रही है। यूएस में लगा जुर्माना-की रकम का एक हिस्सा पीड़ितों पर खर्च करने का आदेश दिया है, जो बताता है कि सोशल मीडिया कंपनियां अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकतीं। उनकी वजह से समाज में जो परेशानी शुरू हुई है, उन्हें उसकी कीमत चुकानी होगी। किसी सोशल मीडिया कंपनी को पहली बार इस तरह कटघरे में खड़ा होना पड़ा है और मेटा के लिए परेशानी की बात यह है कि अमेरिका के कई और राज्यों में भी इसी तरह के मुकदमे चल रहे हैं। इससे पहले मार्च में भी मेटा पर 3500 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगा था। गैर-कानूनी कंटेंट-पूरी दुनिया में यह बहस चल रही है कि बच्चों को किस हद तक सोशल मीडिया इस्तेमाल की अनुमति होनी चाहिए। कई देशों ने अपने यहां निश्चित उम्र सीमा भी लागू की है। हालांकि इसके साथ जरूरी मुद्दा यह भी है कि सोशल मीडिया कंपनियों की मनमानी पर रोक लगाई जाए। भारत में भी मेटा लगातार विवादों में है। पीएम नरेंद्र मोदी के एक विडियो को फेसबुक से हटाए जाने पर उसने माफी मांग ली।यह तकनीकी गलती हो सकती है, पर पेड प्रमोशन के जरिये गैर-कानूनी कंटेंट को बढ़ावा देने की बात उसने खुद मानी है। इस साल जुलाई में केंद्र ने नोटिस भी जारी किया था। बैन उपाय नहीं- अमेरिकी अदालत ने अगले पांच बरसों में मेटा को कई सुरक्षा उपाय अपनाने का आदेश दिया है। इस तरह के कदम बाकी जगहों पर भी उठाए जा सकते है, क्योंकि डिजिटल दुनिया किसी एक देश तक सीमित नहीं रही। हालांकि यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि पूरी तरह बैन उपाय नहीं है, जरूरत जवाबदेही और नियंत्रण की है।

अगर भारत-पाक युद्ध हुआ तो क्या भारत के खिलाफ अपनी सेना उतारेंगे तुर्की और सउदी अरब ?

(नीरज कुमार दुबे)

वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग-अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। नाटो के भीतर जब अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच भरोसे की दरारें गहरी हो रही हैं, ठीक उसी समय पश्चिम एशिया में एक नया शक्ति-केंद्र खड़ा करने की कोशिश शुरू हो गई है। मक्का में तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने ऐसा रक्षा समझौता किया है, जिसकी सबसे अहम लाइन में साफ कहा गया है कि तीनों में से किसी एक पर हमला हुआ तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। यही वह बिंदु है, जो इस समझौते को सामान्य सैन्य सहयोग से उठाकर एक संभावित नए क्षेत्रीय सुरक्षा गठबंधन में बदल देता है। हालांकि इसे अभी आधिकारिक तौर पर 'सुन्नी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसके भीतर उसकी बुनियादी तस्वीर जरूर दिखाई देने लगी है। देखा जाये तो मक्का में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन का एक मंच पर आना अपने आप में बड़ा संदेश है। खास बात यह है कि यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम एशिया पहले ही ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की आग में झुलस रहा है। सऊदी अरब पर ईरान और उसके सहयोगी संगठनों के हमलों का खतरा है। पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है और तुर्किये पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका लगातार बढ़ा रहा है। यानी तीनों देश एक-दूसरे की जरूरत बन गए हैं।

क्यों हुआ त्रि-पक्षीय समझौता? – वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग-अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। दशकों तक रियाद ने अमेरिकी सुरक्षा छाते पर भरोसा किया। लेकिन अब सऊदी नेतृत्व यह मानकर चल रहा है कि बदलती अमेरिकी नीति में किसी एक बाहरी शक्ति पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइल तथा ड्रोन क्षमता ने इस खतरे को और वास्तविक बना दिया है। ऐसे में सऊदी अरब ने अपना सुरक्षा कवच चौड़ा करना शुरू किया है। पाकिस्तान उसके लिए स्वाभाविक साझेदार है। पाकिस्तानी सेना दशकों से सऊदी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देती रही है और हाल के महीनों में पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिकों, लड़ाकू विमानों, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों की मौजूदगी भी बढ़ाई है। वहीं पाकिस्तान की जरूरत बिल्कुल दूसरी है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब से निवेश और आर्थिक मदद चाहिए, जबकि तुर्किये से रक्षा तकनीक और सैन्य सहयोग चाहिए। बदले में पाकिस्तान अपनी सेना और परमाणु क्षमता को मुस्लिम दुनिया की सुरक्षा में सबसे बड़ा सैन्य योगदान बताकर अपनी भू-राजनीतिक अहमियत बढ़ाना चाहता है। वहीं तुर्किये की बात करें तो एर्दोगन लंबे समय से अपने देश को सिर्फ नाटो का सदस्य नहीं, बल्कि मुस्लिम दुनिया की एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किये के पास अत्याधुनिक ड्रोन, रक्षा उद्योग और बड़ी सैन्य ताकत है। पाकिस्तान के साथ उसका रक्षा सहयोग पहले ही तेजी से बढ़ चुका है।

यह गठबंधन किसके खिलाफ है? – अब सवाल उठता है कि यह गठबंधन किसके खिलाफ है? इस सवाल का जवाब हालांकि तीनों देशों ने नहीं में दिया है। तुर्किये ने साफ कहा है कि समझौता रक्षात्मक है, यह किसी खास देश या संगठन को निशाना नहीं बनाता और दूसरे क्षेत्रीय देशों के लिए भी खुला है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिर्फ दस्तावेज की भाषा नहीं देखी जाती, टाइमिंग भी देखी जाती है। और इस समझौते की टाइमिंग बहुत कुछ कहती है क्योंकि इस समय ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव चरम पर है। ईरान समर्थित हूती, इराकी मिलिशिया और अन्य समूहों की गतिविधियों ने खाड़ी देशों की सुरक्षा चिंता बढ़ाई है। दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर में बदल दिया है। इसलिए यह समझौता भले ही ईरान का नाम न ले, लेकिन ईरान के लिए इसका संदेश साफ है कि सऊदी अरब अब अकेला नहीं है। राजनीति

ईरान की बढ़ेंगी मुश्किलें – वहीं इस समझौते के बाद ईरान के लिए नई चुनौती खड़ी हो गयी है। तेहरान अब तक पश्चिम एशिया में अपने प्रभाव का बड़ा हिस्सा सहयोगी और प्रॉक्सी संगठनों के नेटवर्क के जरिए कायम करता रहा है। लेकिन यदि सऊदी अरब को पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और तुर्किये की रक्षा तकनीक का समर्थन मिलने लगे तो क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। यही कारण है कि मक्का समझौते को ईरान के खिलाफ सीधा सैन्य गठबंधन नहीं होते हुए भी ईरान के लिए रणनीतिक चुनौती जरूर माना जा सकता है।

इजराइल-अमेरिका को भी संदेश – दिलचस्प बात यह है कि इस गठबंधन का एक और बड़ा संदेश इजरायल के लिए भी है। पश्चिम एशिया में जिस 'सुन्नी धुरी' की चर्चा लंबे समय से होती रही है, वह अब सिर्फ राजनीतिक अवधारणा नहीं रहना चाहती। साथ ही यह अमेरिका के लिए भी खतरे की घंटी है और यह समझौता वाशिंगटन के लिए भी सुखद खबर नहीं है। दरअसल सऊदी अरब और तुर्किये दोनों अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था के पुराने साझेदार हैं। लेकिन यदि यही देश अपनी सुरक्षा के लिए अलग क्षेत्रीय सैन्य ढांचा बनाने लगें तो इसका अर्थ साफ है कि अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर भरोसा कम हो रहा है। यही इस समझौते का सबसे बड़ा दीर्घकालिक रणनीतिक अर्थ हो सकता है।

सुन्नी नाटो सिर्फ कल्पना है या हकीकत? – इसके अलावा, यदि मक्का मॉडल सफल होता है और उसमें दूसरे सुन्नी देश शामिल होते हैं, तो पश्चिम एशिया में अमेरिका के नेतृत्व वाली सुरक्षा व्यवस्था के समानांतर एक क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचा खड़ा हो सकता है। सवाल उठता है कि इसमें और कौन-से देश शामिल हो सकते हैं? इसके जवाब में कतर, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात और सीरिया जैसे देशों के नाम संभावित सदस्य के रूप में सामने आ रहे हैं। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि यूएई की कई क्षेत्रीय मुद्दों पर सऊदी अरब और तुर्किये से अलग नीति रही है। साथ ही मिस्र भी किसी ऐसे सैन्य गठबंधन में फंसना नहीं चाहेगा जो उसे सीधे किसी क्षेत्रीय युद्ध में धकेल दे। वहीं सीरिया अपनी युद्धोत्तर परिस्थितियों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। इसलिए 'सुन्नी नाटो' का विस्तार संभव जरूर है, लेकिन आसान नहीं है।

त्रि-पक्षीय समझौते का भारत पर क्या होगा असर? – अब सवाल यह है कि इस रक्षा समझौते का भारत पर क्या असर पड़ेगा और अगर भारत-पाकिस्तान के बीच फिर सैन्य टकराव हुआ तो क्या तुर्किये और सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़े होंगे और भारत के खिलाफ युद्ध लड़ेंगे? देखा जाये तो भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता पाकिस्तान की बढ़ती रणनीतिक क्षमता है। तुर्किये पहले से ही पाकिस्तान का करीबी सैन्य साझेदार है और कश्मीर से लेकर रक्षा सहयोग तक उसका रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। 2025 के भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव में भी अंकारा ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। ऐसे में भविष्य में पाकिस्तान को तुर्किये से ड्रोन, हथियार, तकनीक, खुफिया सहयोग और सैन्य सहायता का अधिक संगठित समर्थन मिल सकता है। हालांकि सऊदी अरब को तुर्किये के साथ एक ही नजर से देखना सही नहीं होगा क्योंकि रियाद के पाकिस्तान से गहरे रक्षा संबंध जरूर हैं, लेकिन भारत भी उसके लिए ऊर्जा, व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग का अहम साझेदार है। इसलिए भारत-पाकिस्तान संघर्ष की स्थिति में तुर्किये का पाकिस्तान के पक्ष में खुलकर खड़ा होना ज्यादा संभावित है, जबकि सऊदी अरब के लिए सीधे भारत के खिलाफ युद्ध में उतरना आसान नहीं होगा। वह पाकिस्तान को राजनीतिक, आर्थिक या सीमित सैन्य-लॉजिस्टिक मदद दे सकता है, लेकिन मक्का समझौते की मौजूदा सार्वजनिक भाषा से यह नहीं कहा जा सकता कि पाकिस्तान पर हमले की स्थिति में सऊदी और तुर्किये अपने आप भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ देंगे। यही वजह है कि भारत के लिए असली चिंता इस समझौते की 'सामूहिक युद्ध' वाली भाषा से ज्यादा पाकिस्तान को मिलने वाली संभावित अतिरिक्त सैन्य और रणनीतिक ताकत है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

पाकिस्तान का विरोधाभास – हालांकि इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान का सबसे बड़ा विरोधाभास भी सबके सामने आया है। जिस देश की अपनी सीमाओं पर लगातार तनाव है, जिसे अफगानिस्तान सीमा पर संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है, जिसके बलूचिस्तान प्रांत ने आजादी का ऐलान कर दिया है, जिसके अवैध कब्जे वाले पीओके में विद्रोह और दमन तेज होता जा रहा है, वह देश अब मुस्लिम दुनिया की सामूहिक सुरक्षा का प्रहरी बनने की भूमिका तलाश रहा है।

चुनौतियों की पाठशाला से ही मिलती है जिंदगी की असली सीख

(प्रेरणा अवस्थी)

अगर किसी युद्ध में एक व्यक्ति के पास सारे अस्त्र-शस्त्र विद्यमान हों, लेकिन उसका शत्रु पूरी तरह निहत्था हो, निश्चित ही ऐसे युद्ध का परिणाम पहले व्यक्ति के पक्ष में होगा। मगर गहन विचार किया जाए, तो क्या ऐसी विजय जीते हुए व्यक्ति को कोई नई सीख, नया अनुभव या नया कौशल प्रदान करने में समर्थ होगी? इसका सीधा सा उत्तर है- नहीं। जीवन भी युद्ध का ही एक पर्याय है।

समय-समय पर हमारे सामने उपस्थित होने वाली परिस्थितियां और चुनौतियां युद्ध के शत्रु के बजाय हमारे लिए एक उत्कृष्ट पाठशाला की भूमिका अदा करती हैं। खुद को जानने के लिए जीवन में चुनौतियों की पाठशाला का होना नितांत आवश्यक है।

चुनौतियां और कठिन परिस्थितियां हमें जीवन की सच्चाई के साथ-साथ हमारे भीतर छिपी हुई सामर्थ्य तथा अपार संभावनाओं से रूबरू कराती हैं। चुनौतियों में अपार शक्ति होती है। जिस प्रकार एक पाठशाला व्यक्ति को निरक्षर से साक्षर बना देती है, ठीक उसी तरह चुनौतियां भी हमारे व्यक्तित्व को रूपांतरित कर देती हैं।

यह पूरी तरह सच है कि चुनौतियां सबसे पहले व्यक्ति को विचलित करते हुए उसके आत्मविश्वास को क्षीण करने का प्रयास करती हैं, लेकिन उनकी इस क्रिया का उत्तर कुशलतापूर्वक धैर्य की प्रतिक्रिया से दे दिया गया, तो फिर यही चुनौतियां हमारे व्यक्तित्व को अथाह आत्मविश्वास से भर देती हैं। परिणाम यह होता है कि व्यक्ति साधारण से असाधारण बन जाता है। वास्तव में चुनौतियां मनुष्य को उसकी सीमाओं एवं अद्भुत शक्तियों से परिचित कराती हैं। शांत समुद्र में कोई भी नाविक कुशल नहीं बन सकता। कुशलता सदैव तूफानों से लड़कर ही आती है।

मनुष्य संघर्षों की भट्ठी में तपकर निखरता है। कठिनाइयां हमें धैर्य, संयम, साहस और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाती हैं। यही कारण है कि जिन लोगों ने जीवन में संघर्ष और विषम परिस्थितियों का सामना किया होता है, वे अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील, परिपक्व और मजबूत दिखाई देते हैं।

दरअसल, चुनौतियों से बचने की प्रवृत्ति ही सबसे बड़ी समस्या है। आज व्यक्ति आसान एवं वैकल्पिक मार्ग खोजने में लगा है। वह बिना परिश्रम के उत्कृष्ट परिणाम चाहता है। मगर प्रकृति का स्पष्ट सा नियम है- बिना संघर्ष के विकास संभव नहीं है। बीज अगर मिट्टी के अंधेरे और दबाव को सहन न करे, तो वह वृक्ष कदापि नहीं बन सकता। नदी चट्टानों से न टकराए तो उसका प्रवाह निर्मल नहीं हो सकता।

इसी प्रकार मनुष्य भी चुनौतियों से जूझे बिना परिपक्वता को नहीं प्राप्त कर सकता। चुनौतियों की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वे मनुष्य को आत्ममंथन का अवसर देती हैं। जब सब कुछ अनुकूल होता है, तब व्यक्ति अपनी कमजोरियों पर ध्यान नहीं देता, लेकिन कठिन समय उसे स्वयं से परिचित कराता है। चुनौतियों की पाठशाला में प्रवेश लेकर ही वह समझ पाता है कि उसके भीतर कितनी क्षमता है, कितना धैर्य है और कितनी इच्छाशक्ति है।

कई बार व्यक्ति को अपनी वास्तविक ताकत का पता ही तब चलता है, जब परिस्थितियां उसे पूरी तरह तोड़ने की कोशिश करती हैं। एक सत्य यह भी है कि प्रत्येक चुनौती केवल बाहरी नहीं होती। अनेक संघर्ष और परिस्थितियों के झंझावात मनुष्य के भीतर भी चलते रहते हैं। भय, असुरक्षा, निराशा, हीनभावना और अकेलापन, ये सब मानसिक चुनौतियां हैं।

बाह्य परिस्थितियां तो दिखाई देती हैं, लेकिन भीतर के संघर्ष अक्सर अनदेखे रह जाते हैं। जो व्यक्ति अपने आंतरिक अंधेरों से लड़ना सीख जाता है, वह जीवन की बड़ी से बड़ी कठिनाई का सामना कर सकता है। इसलिए चुनौतियों की पाठशाला केवल बाहरी संघर्षों की ही नहीं, बल्कि आत्मविजय और आत्ममंथन की भी पाठशाला है।

प्रत्येक चुनौती हमारे व्यक्तित्व की नवीन ढंग से रचना करने के लिए ही हमारे समक्ष उपस्थित होती है। यह पूरी तरह हमारे विवेक और धैर्य पर ही निर्भर करता है कि हम उस चुनौतीस्वरूप अमूल्य अवसर को यों ही जाने देते हैं या उसे पूर्ण समर्पण तथा साहस के साथ स्वीकार करके अपने व्यक्तित्व और अंतर्मन के निखार का माध्यम बनाते हैं।

कितना ही प्रचंड झंझावात क्यों न हो, अगर हमने अपने कदम पूरी शक्ति और दृढ़ता के साथ जमा रखे हैं, तो हम विचलित नहीं हो सकते। चुनौतियों के वक्त अगर हमने परिस्थितियों को प्रतिकूल परिवेश के रूप में देखा, तो निस्संदेह हमारी पराजय निश्चित है। चुनौतियों की पाठशाला हमें यह सिखाती है कि प्रतिकूलतम परिस्थिति में भी हम अपनी अंतर्निहित क्षमताओं का महत्तम दोहन करते हुए रचनात्मकता की ओर कैसे अग्रसर हों।

हिमालयी नदियों में बढ़ रहा खतरा, बदलते जलवायु संकट से पहाड़ से मैदान तक मंडरा रही बाढ़ की आशंका

जलवायु आपदा से अर्थव्यवस्थाएं तहस-नहस हो रही हैं। इसी कारण पारिस्थितिकी तंत्र में ऐसे बदलाव आ सकते हैं, जिन्हें पलटना असंभव होगा। शांति और सुरक्षा को गंभीर खतरा पहुंच सकता है। वैज्ञानिक लगातार आगाह कर रहे हैं कि वर्ष 2030 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान और बढ़ जाएगा। मौसम विज्ञानियों का विश्लेषण बताता है कि वैश्विक तापमान बढ़ने की गति तेज हो रही है और अत्यधिक गर्मी की आवृत्ति भी बढ़ रही है। पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते के अंतर्गत तापमान वृद्धि की सीमा अहम है।

(जयप्रकाश त्रिपाठी)

वैज्ञानिक लगातार आगाह कर रहे हैं कि वर्ष 2030 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान और बढ़ जाएगा। मौसम विज्ञानियों का विश्लेषण बताता है कि वैश्विक तापमान बढ़ने की गति तेज हो रही है और अत्यधिक गर्मी की आवृत्ति भी बढ़ रही है। जलवायु आपदा के कारण हिमालयी नदियां खतरनाक रूप से अपने प्रवाह के रास्ते बदल रही हैं। यह खतरे की घंटी है। उधर, आर्कटिक क्षेत्र, पृथ्वी के अन्य हिस्सों की तुलना में ज्यादा तेजी से गर्म हो रहा है। इस क्षेत्र में जमे हुए पानी की मात्रा में गिरावट जारी रहना और बैरेंट्स सागर, बेरिंग सागर तथा ओखोत्स्क सागर में जमे हुए जल की क्षति गंभीर बदलाव का संकेत है। इससे सूर्य की रोशनी को परिवर्तित करने की आर्कटिक क्षेत्र की क्षमता में कमी आती है। इससे पारिस्थितिकी तंत्र, मौसमी रुझान और ध्रुवीय क्षेत्रों में आजीविका भी प्रभावित हो सकती है।

'चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ जियोसाइंसेज और सिचुआन यूनिवर्सिटी' के वैज्ञानिकों के मुताबिक वैश्विक ताप के कारण होने वाले मौसमी बदलावों से ऊपरी हिमालयी क्षेत्र में नदियों और उनके किनारे बसे इलाकों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। सिंधु, गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और तीस्ता इत्यादि नदियों से लगभग 19 नदियां सीधे जुड़ी हैं, जिनके तेज प्रवाह से जन-धन का व्यापक नुकसान हो सकता है। पहले के मुकाबले दोगुनी तेज गति से ये नदियां, खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे तबाह कर सकती हैं।

हिमालयी नदियों के 1582 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में तापमान की संवेदनशीलता वैश्विक औसत से लगभग आठ गुना ज्यादा है। नदियों की ही तरह इन क्षेत्रों का तापमान भी दोगुनी गति से बढ़ रहा है। नदियों की गति में बदलाव का सीधा संबंध जलवायु आपदा, तापमान और हिमनदों की हलचल से है। हिमालय के आर-पार इस आपदा से बहुत बड़ी आबादी गंभीर रूप से प्रभावित होने का अंदेशा है। ताजा अध्ययन के मुताबिक खास तौर से अरुणाचल प्रदेश की नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए यह भयावह हो सकता है। असम पहले से ही ऐसी आपदाएं झेल रहा है।

जलवायु आपदा से अर्थव्यवस्थाएं तहस-नहस हो रही हैं। इसी कारण पारिस्थितिकी तंत्र में ऐसे बदलाव आ सकते हैं, जिन्हें पलटना असंभव होगा। शांति और सुरक्षा को गंभीर खतरा पहुंच सकता है। वैज्ञानिक लगातार आगाह कर रहे हैं कि वर्ष 2030 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान और बढ़ जाएगा। मौसम विज्ञानियों का विश्लेषण बताता है कि वैश्विक तापमान बढ़ने की गति तेज हो रही है और अत्यधिक गर्मी की आवृत्ति भी बढ़ रही है। पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते के अंतर्गत तापमान वृद्धि की सीमा अहम है। ऐसी स्थिति में चरम मौसमी घटनाओं, खाद्य असुरक्षा, विस्थापन और पारिस्थितिकी तंत्र ढहने का जोखिम बढ़ेगा। गर्म हो रही जलवायु से वैश्विक वर्षा रुझानों में भी बदलाव नजर आ रहा है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि दुनिया भीषण गर्मी की ओर बढ़ रही है। यह लगभग तय है कि अगले पांच वर्षों के दौरान वैश्विक तापमान रिकॉर्ड स्तर पर या फिर उसके आसपास बना रहेगा। ब्रिटेन के मौसम विज्ञान विभाग ने इस रिपोर्ट में पिछले पांच वर्षों की जलवायु का आकलन और अगले पांच वर्षों में तापमान, बारिश और बर्फबारी के रुझानों का अनुमान रेखांकित किया है। वर्ष 2026 से 2030 के दौरान, इस बात की लगभग 86 फीसद आशंका है कि कम से कम एक वर्ष, रिकॉर्ड स्तर पर सर्वाधिक गर्म वर्ष होने का मामला सामने आए। अगले पांच वर्ष की अवधि में, कम से कम एक वर्ष के दौरान औसत वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

बीती जुलाई में, हिमालयी क्षेत्रों से लेकर अमेरिका के टेक्सास प्रांत के ग्रामीण इलाकों तक आई भीषण बाढ़ की घटनाओं में कई लोग जान गंवा चुके हैं। इस बीच, समय-पूर्व चेतावनी प्रणालियों की गंभीर खामियां भी उजागर हुई हैं। वैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि इस विनाश के पीछे तेजी से हो रहा शहरीकरण, भूमि उपयोग में बदलाव और जलवायु परिवर्तन जैसी वजहें हैं, जिनसे वातावरण में नमी बढ़ रही है और बाढ़ का खतरा भी लगातार गहराता जा रहा है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अतिरिक्त एक डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर, वायुमंडल लगभग सात फीसद अधिक जलवाष्प अपने भीतर संचित कर सकता है। इस स्थिति से अत्यधिक वर्षा का जोखिम बढ़ रहा है। साथ ही गर्म होती जलवायु के कारण तेजी से पिघलती बर्फ से हिमनद से जुड़ी बाढ़ का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। अकेले बीती जुलाई में ही दक्षिण एशिया, पूर्वी एशिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में एक के बाद एक, बाढ़ की घटनाएं देखी गईं। कहीं भारी बारिश, कहीं हिमनद झीलों का विस्फोट और कहीं अचानक आई बाढ़ का कहर टूटा है।

वर्ष 2020 में, दक्षिण एशिया के विभिन्न हिस्सों में भीषण बाढ़ की घटनाओं में साढ़े छह हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी और लगभग 105 अरब डॉलर की आर्थिक क्षति दर्ज की गई थी। दो साल बाद 2022 में पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ से 3.3 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए। इस साल भी यह सिलसिला थमा नहीं है। दक्षिण कोरिया में 16 से 20 जुलाई के बीच रिकॉर्डतोड़ बारिश दर्ज की गई, जहां कुछ इलाकों में वर्षा 115 मिलीमीटर प्रति घंटे से भी अधिक पहुंच गई। इस आपदा में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 13 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा।

बीती जुलाई में अचानक हुई मूसलाधार बारिश ने टेक्सास के पहाड़ी क्षेत्र में तबाही मचा दी, जिसमें सौ से अधिक लोगों की जान चली गई और अनेक लोग लापता हो गए। इसी तरह नेपाल के रसुवा जिले में हिमनद की सतह पर बनी झील के फटने से अचानक आई बाढ़ में कुछ जलविद्युत संयंत्र और एक पुल सहित कई सड़कें बह गईं। इस भीषण घटना में कम से कम 11 लोगों की जान गई। अनेक लोग अब भी लापता हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में बाढ़ अब पहले की तुलना में अधिक बार आ रही है, जबकि दो दशक पहले ऐसी बाढ़ आम तौर पर हर पांच से दस साल में एक बार आती थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में बाढ़ की ऐसी घटनाओं का खतरा तीन गुना तक बढ़ सकता है। एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 1.81 अरब लोग यानी दुनिया की लगभग एक-चौथाई आबादी विनाशकारी बाढ़ की जद में है। इस आबादी में से 89 फीसद लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों के हैं।

भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं चिंता का विषय बन गई हैं। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ ने तबाही मचाई है। पुंछ और राजौरी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में कई लोग अब भी लापता हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी भारी बारिश से जन-जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। नगालैंड में बारिश के बाद भूस्खलन से स्कूल की इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। उत्तराखंड में लगातार बारिश और भूस्खलन से लगभग कई सड़कें बंद हैं। हिमाचल में भी इन दिनों 36 सड़कें बंद हैं। असम के बारह जिले बाढ़ से जूझ रहे हैं।

एनएसूयआई का प्रदर्शन, सरकार के खिलाफ नारेबाजी, मंत्री ओपी चौधरी को टोपी कूरियर की

युवाओं की मांगों पर ध्यान नहीं देने पर प्रदेशस्तरीय आंदोलन की दी चेतावनी

राजनांदगांव। प्रदेश में युवाओं और छात्रों की परेशानियों को लेकर एनएसयूआई ने पोस्ट आफिस पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी को टोपी भेजी, बाकायदा उसे पोस्ट आफिस से कूरियर किया गया।

इस दौरान एनएसयूआई के छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपन मांगों को भी लोगों के बीच रखा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लंबित परीक्षा शुल्क की वापसी और युवाओं से जुड़े रोजगार एवं बेरोजगारी भत्ते के मुद्दों पर सरकार ने जल्द स्पष्ट जवाब नहीं दिया, तो NSUI प्रदेशभर में आंदोलन को और तेज करेगी। इस दौरान उन्होंने कई सवाल भी दोगे। छात्रों ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को राहत देने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है NSUI नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार और आर्थिक सुरक्षा देने के बजाय उनसे परीक्षा शुल्क लेने में आगे दिखाई दे रही है। युवाओं के इन्हीं सवालों को लेकर पूर्व पार्षद ऋषि शास्त्री, NSUI प्रदेश महासचिव राजा यादव, NSUI पूर्व अध्यक्ष अमर झा और मंडल अध्यक्ष चेतन भानुसाली सहित कार्यकर्ताओं ने राजनांदगांव पोस्ट ऑफिस पहुंचकर सांकेतिक प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी को उनकी जिम्मेदारी याद दिलाने के लिए प्रतीकात्मक टोपी उनके निवास पर कूरियर की गई। NSUI नेताओं ने कहा कि यह टोपी सरकार को यह संदेश देने के लिए है कि प्रदेश के युवा अब अपने अधिकारों और रोजगार के सवाल पर चुप नहीं बैठेंगे।

कांग्रेस सरकार के कामकाज भी छात्रों ने गिनाए

प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं को निःशुल्क करने की पहल की। बेरोजगार युवाओं के लिए 2500 प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ते की व्यवस्था की, युवाओं को सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में आर्थिक बाधा से राहत देने का प्रयास किया और शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक प्राथमिकता में रखा।

प्रदेश की भाजपा सरकार पर उठाए सवाल

पदाधिकारियों ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के नाम पर लिए गए शुल्क की राशि अभ्यर्थियों के खातों में कब तक वापस आएगी युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ते का क्या हुआ रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार की ठोस योजना क्या है प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। वहीं आने वाले दिनों में मांगों पर ध्यान नहीं देने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी।

मेडिकल कॉलेज हास्पिटल में हुई हिप की सफल सर्जरी, मरीजों को नई जिंदगी

विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम ने किया बेहतर ट्रीटमेंट, हास्पिटल के लिए बड़ी उपलब्धि

राजनांदगांव। पेंड्री स्थित मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सफलतापूर्वक हिप रिप्लेसमेंट (कूल्हे के जोड़ का प्रत्यारोपण) सर्जरी कर मरीजों को नई जिंदगी प्रदान की। मरीज लंबे समय से कूल्हे के जोड़ में असहनीय दर्द तथा चलने फिरने में कठिनाई से पीड़ित थे। आवश्यक जांच एवं चिकित्सकीय परीक्षण के उपरांत उन्हें हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की सलाह दी गई। निर्धारित समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया।सर्जरी के पश्चात सभी मरीजों की स्थिति सामान्य है, और वह दूसरे ही दिन से चलने लगे हैं। विभागाध्यक्ष डॉ सुभाष रावटे ने बताया कि कूल्हे के जोड़ के क्षतिग्रस्त होने के प्रमुख कारणों में सिकल सेल रोग, ओस्टियो आर्थराइटिस तथा लंबे समय तक दर्द निवारक दवाओं अथवा स्टेरॉयड के सेवन जैसी स्थितियां शामिल है।उन्होंने बताया कि आधुनिक चिकित्सा तकनीकों एवं अनुभवी विशेषज्ञों के प्रयासों से हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी अब पहले की अपेक्षा अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी हो गई है ।सर्जरी के पश्चात फिजियोथैरेपी की सहायता से मरीज शीघ्र ही सामान्य रूप से चलने फिरने में सक्षम हो सकते हैं। विभागाध्यक्ष एवं सह -प्राध्यापक डॉक्टर सुभाष रावटे के मार्गदर्शन में सहायक प्राध्यापक डॉक्टर दिवाकर भुआर्य, सहायक प्राध्यापक डॉ. मानस श्रीवास्तव, सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर अनुराग शर्मा एवं डॉ शुभम रोहिल्ला की टीम ने यह सफल शल्य चिकित्सा संपन्न की। ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विभाग की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक डॉक्टर दुर्गा कोसम तथा सह प्राध्यापक डॉक्टर स्मृति बंधु का विशेष सहयोग रहा।

सफल हिप रिप्लेसमेंट के प्रमुख मामलें-0 -60 वर्षीय कृष्णा राम साहू निवासी अर्जुनी बालोद पिछले एक वर्ष से बाएं कूल्हे में असहनीय दर्द एवं चलने फिरने में परेशानी से पीड़ित थे। जांच में एवैस्कुलर नैक्रोसिस पाया गया। 0 -25 वर्षीय चंद्र प्रकाश निवासी बेलगांव गोंदिया (महाराष्ट्र)पिछले 1 वर्ष से दाएं कूल्हे में असहनीय दर्द तथा पैर छोटा बड़ा होने की शिकायत से परेशान थे। 0 -35 वर्षीय सुमित कुमार यादव निवासी हरदी राजनांदगांव 7 वर्ष पूर्व लगी चोट के बाद से दाएं कूल्हे में दर्द एवं चलने फिरने में कठिनाई से जूझ रहे थे, जांच में सेकेंडरी ओस्टियोआर्थराइटिस की पुष्टि हुई। मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में सफल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की यह उपलब्धि आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की दक्षता का प्रमाण है।

जिससे गंभीर कुल्हा रोग से पीड़ित मरीजों को बेहतर उपचार और सामान्य जीवन की नई उम्मीद मिली है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हरेली महोत्सव में हुए शामिल

पाटन। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पाटन विधानसभा क्षेत्र के विधायक भूपेश बघेल अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जामगांव एम एवं ग्राम उफरा में आयोजित हरेली महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को छत्तीसगढ़ के प्रथम तिहार हरेली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कायक्रम के दौरान बघेल ने ग्राम जामगांव एम में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित छत्तीसगढ़ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और हरेली पर्व हमें प्रकृति से जुड़ने की प्रेरणा देता है। इसके पश्चात ग्राम उफरा में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री ने नव निर्मित कला मंच का लोकार्पण किया। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ऐसे मंच महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा लोक संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिला पंचायत सभापति मोनू साहू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहन साहू, दुलर चंद्राकर, विक्रम चंद्राकर, अमित राजपूत, रूपचंद साहू, अंशु रजक, विपिन चंद्राकर, सोमेश चंद्राकर, दीपक वर्मा, जय साहू, ग्राम पंचायत सरपंच तुलसी रोहित सिन्हा, आयोजक योगेश चंद्राकर सहित संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दुर्ग शहर में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर हुआ शहर ,जेआरडी स्कूल मैदान से शहीद (ग्रीन) चौक तक गूंजे

देशभक्ति के नारे,लगाते जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक हुए शामिल

लहराते तिरंगों और राष्ट्रभक्ति के नारों से गूंजा दुर्ग, एकता-अखंडता का दिया संदेश

दुर्ग। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज दुर्ग शहर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में विधायक, महापौर, जनप्रतिनिधियों, युवाओं स्कूल के सैकड़ो छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक ललित चन्द्राकर, महापौर अलका बाघमार,भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, सभापति श्याम शर्मा,निगम प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू,जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे,जितेंद्र वर्मा,एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर,नरेंद्र बंजारे,नीलेश अग्रवाल,लीना दिनेश देवांगन,शेखर चन्द्राकर, हर्षिका जैन,शशि साहू सहित जनप्रतिनिधियों,एल्डरमनो एवं जिला के समस्त भाजपा पदाधिकारीगण सहित आम नागरिकों उपस्थिति में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ शासकीय झाड़ूराम देवांगन विद्यालय हिन्दी भवन के सामने स्थित मैदान से हुआ। मंत्री गजेंद्र यादव,विधायक ललित चन्द्राकर, महापौर अलका बाघमार,जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक सहित सैकड़ों के हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के जोश से नागरिक यात्रा में शामिल हुए। यात्रा विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए शहीद चौक पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। पूरे मार्ग में भारत माता के जयकारों और राष्ट्रभक्ति के नारों से वातावरण गूंजायमान रहा।तिरंगा यात्रा के दौरान शहर की सड़कों पर जगह-जगह नागरिकों ने उत्साह के साथ यात्रा का स्वागत किया। युवाओं एवं नागरिकों ने विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ तिरंगे के प्रति अपना सम्मान और देश के प्रति समर्पण व्यक्त किया। यात्रा में शामिल लोगों के उत्साह से पूरा शहर राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि तिरंगा केवल भारत का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की गौरवशाली विरासत, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान, एकता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है।विधयाक ललित चन्द्राकर ने कहा कि देश की आजादी और अखंडता के लिए असंख्य वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखना और राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि हर घर तिरंगा और वंदे मातरम् के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान तिरंगा यात्रा के माध्यम से नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा वंदे मातरम् के गायन के प्रति प्रेरित किया गया। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना को और मजबूत करते हैं।उन्होंने सभी नागरिकों से देश की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा ÷एक भारत, श्रेष्ठ भारत÷ के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देने का आह्वान किया।भव्य तिरंगा यात्रा ने दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रभक्ति, एकता, अखंडता और राष्ट्र गौरव का सकारात्मक एवं प्रेरणादायी संदेश दिया।

हरेली महोत्सव में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नव निर्मित कलामंच का किया लोकार्पण

भाजपा की डबल ईंजन सरकार फेल भूपेश बघेल

अमलेश्वर। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत उफरा में क्रिकेट मैदान पर हरेली महोत्सव का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रमुख रूप से शामिल हुए। उन्होंने नव निर्मित कलामंच का लोकार्पण किया।इस अवसर पर ग्राम पंचायत उफरा की सरपंच श्रीमती गायत्री गजेंद्र साहू सहित पंचों ने श्री बघेल का आत्मीय स्वागत किया। ग्रामीणों ने भी पारंपरिक ढंग से उनका अभिनंदन किया। स्वागत भाषण देते हुए सरपंच श्रीमती गायत्री साहू ने कहा कि कलामंच के निर्माण से खिलाड़ियों एवं ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बाबा कुटी उफरा में सामुदायिक भवन ज्योति कलश तथा सीसी रोड निर्माण की मांग भी रखी।सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी क्षेत्रवासियों को हरेली तिहार की बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी का समय है, लेकिन किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है और बिजली बिल बढ़ने से आम लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय बिजली बिल हाफयोजना का लाभ लोगों को मिलता था, जबकि अब बिल लगातार बढ़ रहे हैं।श्री बघेल ने कहा कि भाजपा की साय सरकार में गांवों में भी टैक्स लगाया जा रहा है और मनरेगा में लोगों को पर्याप्त काम नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्योहारों पर अवकाश की घोषणा की थी, लेकिन वर्तमान सरकार में ऐसी परंपराओं की उपेक्षा हो रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के बावजूद विकास कार्य दिखाई नहीं दे रहे हैं।अपने संबोधन में श्री बघेल ने अयोध्या राम मंदिर से जुड़े चंदा घोटाले के आरोपों का भी उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने ग्राम उफरा में सीसी रोड निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत सभापति मोनू साहू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहन साहू, मंडल अध्यक्ष हितेंद्र पटेल, धर्मेंद्र साहू, अमृत सिंह राजपूत।

परसदा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया छत्तीसगढ़ का प्रथम तिहार हरेली महोत्सव, वृक्षारोपण व नशा मुक्ति का दिया संदेश

कुम्हारी। नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसदा में ग्राम विकास समिति के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ के प्रथम तिहार हरेली महोत्सव का आयोजन बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने अपनी लोक संस्कृति, परंपरा तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति प्रेम और जागरूकता का सुंदर परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की आरती से हुआ। इसके पश्चात गली भ्रमण (रैली), वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं स्कूली बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। ग्रामीण महिलाओं के लिए सुरीली कुर्सी दौड़, फुगड़ी, रस्साकशी एवं विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कार तथा महिलाओं को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान हरेली का संदेश देते हुए आयोजकों ने कहा कि ÷पेड़ लगाएं, हरियाली बढ़ाएं, गांव को स्वच्छ एवं खुशहाल बनाएं।÷ इसी भावना के साथ गांव में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।इस अवसर पर ग्राम के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। साथ ही नशा मुक्ति जनजागरण अभियान के माध्यम से युवाओं एवं ग्रामीणों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब रायपुर के समस्त पदाधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में युजेन्द्र साहू एवं डिकेन्द्र साहू शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भुजबल प्रसाद साहू, अध्यक्ष ग्राम विकास समिति परसदा ने की। इस अवसर पर पुणेंद्र कुमार पंथ (सचिव), रतनलाल साहू (कोषाध्यक्ष) सहित ग्राम विकास समिति के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्राम सांकरा में हर्षोल्लास से मनाया गया हरेली तिहार, पारंपरिक खेलों में ग्रामीणों ने दिखाया उत्साह

अमलेश्वर। पाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सांकरा में छत्तीसगढ़ के प्रथम एवं प्रमुख लोकपर्व हरेली तिहार को हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों के लिए विभिन्न पारंपरिक खेलों एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगड़ी, मटकी फोड़ सहित अन्य खेलों में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे गांव में पारंपरिक संस्कृति और उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम सरपंच रवि सिंगौर ने कहा कि हरेली तिहार हमारी समृद्ध छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी लोकसंस्कृति और परंपराओं को सदैव जीवंत रखना चाहिए तथा आने वाली पीढ़ियों को भी इससे जोड़ना चाहिए। उन्होंने सभी ग्रामीणों से छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा और प्रदेश की संस्कृति के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।इस अवसर पर सरपंच रवि सिंगौर द्वारा गांव के किसानों एवं ग्रामीणों को गमछा भेंट कर सम्मानित किया गया।

शराब ले जा रहे युवकों को आरक्षकों ने रोका, रुपए मांगे, तगादा करने घर तक गए, शिकायत पर हुआ ट्रांसफर

राजनांदगांव। एक तरफ जिले के पुलिस अधिकारी लगातार शराब कोचियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कुछ पुलिसकर्मी 10-12 पौवा शराब लेकर जा रहे युवकों से वसूली करने में लगे हैं। ऐसी ही एक शिकायत बसंतपुर थाना के तीन आरक्षकों को लेकर आई, जिसकी बाकायदा पुष्टि भी हुई। तीनों आरक्षक रुपए के लिए तगादा करने घर तक पहुंच गए। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने तीनों आरक्षकों पर कार्रवाई करते हुए दो का ट्रांसफर किया और एक को लाइन अटैच किया। इस तरह का मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग की किरकिरी हुई। यह मामला सामने आने के बाद युवकों ने भाजपा के कुछ नेताओं को जानकारी दी। जब नेताओं ने बसंतपुर थाना में पदस्थ आरक्षक लक्ष्मण टंडन, चंद्रशेष श्रीवास और संजय साहू से बातचीत की तो उनके बीच कहासुनी भी हुई और विवाद की स्थिति बनी। तब भाजपा नेताओं ने इसकी शिकायत पुलिस के आला अफसरों से की और जिसके बाद अधिकारियों ने तत्काल एक्शन लिया। इसके बाद आरक्षकों को जोब, बागनदी और पुलिस लाइन भेज दिया गया है। मामले की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लिया। दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद कार्रवाई की गई। सिंगदई वार्ड में रहने वाले माखनलाल सरकारी दुकान से शराब लेकर लौट रहा था, उसी दौरान बसंतपुर के आरक्षकों ने उसे रोक लिया और धमकाने लगे कि वह कोचियागिरी करता है। उसने आरक्षकों को बताया कि वह खेत के काम करने वाले लोगों के लिए शराब लेकर जा रहा है, इस बारे में वह जानकारी भी ले लिए। कथित रूप से उससे रुपए भी लिए गए। यह मामले को दो दिन बीत गए, इसके बाद मंगलवार को बसंतपुर के दो युवक इसी तरह शराब लेकर आ रहे थे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत बीएस एफछत्तीसगढ़ ने निकाली तिरंगा रैली, किया वृक्षारोपण एवं नशा मुक्ति के प्रति जन-जागरूकता का आह्वान

भिलाई। 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' एवं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सामरिक मुख्यालय (विशेष-संक्रिया), बी0एस0एफ छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में विभिन्न जन-जागरूकता एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, पर्यावरण संरक्षण तथा नशा मुक्ति का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बी0एस0एफ के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर दशहरा मैदान, रिसाली सेक्टर से रजनीकांत चौक आजाद मार्केट तक भव्य तिरंगा रैली निकाली। हाथों में तिरंगा लेकर निकली इस रैली में बड़ी संख्या में बी0एस0एफ कार्मिकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए आमजन को अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में सेक्टर-8, भिलाई नगर में स्थानीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं बी0एस0एफ कार्मिकों की सहभागिता से वृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। 'एक पेड़ माँ के नाम' एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना के अनुरूप विद्यार्थियों एवं बी0एस0एफ के जवानों ने मिलकर पौधारोपण किया तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों एवं स्थानीय नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत आमजन के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जागरूकता पर्चों/पैम्फलेट का वितरण किया गया। लोगों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों, नशे से होने वाली सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। युवाओं को विशेष रूप से नशे के विरुद्ध जागरूक करते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। स्थानीय नागरिकों एवं स्कूली बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी एवं जन-केंद्रित बनाया। हर घर तिरंगा, हरित भारत और नशा मुक्त भारत के संकल्प के साथ आयोजित इन कार्यक्रमों ने राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
जय हिन्द | जय भारत

समस्त प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक बधाई

मा. गजेंन्द्र यादव
स्कूल शिक्षा मंत्री, छ.ग. शासन

वतन पर जो फिदा होगा,
अमर वो हर नौजवान होगा,
रहेगी जब तक दुनिया ये
अफसाना उसका बयाँ होगा

15 अगस्त

आप सभी प्रदेशवासियों को
80वें
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्याम बिहारी जायसवाल
कैबिनेट मंत्री- छत्तीसगढ़ शासन
लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा
पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास
@sbjaiswalbjp Shyambiharibjp
ShyamBiharibjp sbjaiswalbjp

एस. आर. हॉस्पिटल & रिसर्च सेंटर

उपलब्ध योजनाएँ एवं अनुबंधित टी.पी.ए. एवं हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियाँ

कैशलेस इंलाज की सुविधाएँ उपलब्ध हैं

- आयुष्मान भारत योजना (P.M.J.Y.) एवं शासन कार्य द्वारा इलाज की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
- छत्तीसगढ़ राज्य बीमा निगम (E.S.I.S.) कार्ड द्वारा इलाज की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
- छ.ग. राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार (C.G.H.S.) के कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के इलाज की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
- भारतीय रेलवे के कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के इलाज की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अनुबंधित टी.पी.ए. एवं हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियाँ

- एको जनरल इंश्योरेंस
- आदित्य बिरला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी
- अवब्या हेल्थ इंश्योरेंस
- बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी
- केयर हेल्थ इंश्योरेंस
- चोला एम एस जनरल इंश्योरेंस कंपनी
- ईस्ट वेस्ट असिस्ट इंश्योरेंस कंपनी
- एशियन इंश्योरेंस कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
- एयरवेल जनरल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी
- जेनरिस इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी
- गो डिजिटल जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड
- हेल्थ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी सर्विसेज पी लिमिटेड
- हेरिटेज हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी
- आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी
- इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
- लिंक के टीपीए इंश्योरेंस
- मणिपाल सिगना टोकियो हेल्थ इंश्योरेंस
- एम बी इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए
- मेडसेव हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए लिमिटेड
- मैडिनद्ज़ इंश्योरेंस टीपीए प्राइवेट लिमिटेड
- मैनेली असिस्ट हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए
- नवी बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी
- वी वी जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड
- सेरामाइंड हेल्थ सर्विसेज टीपीए
- पार्क मैडिकल इंश्योरेंस टीपीए प्राइवेट लिमिटेड
- रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी
- सेफवे इंश्योरेंस टीपीए प्राइवेट लिमिटेड
- एस.बी.आई. जनरल इंश्योरेंस कंपनी
- स्टार हेल्थ जनरल इंश्योरेंस
- टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी
- यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस
- विधान हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए
- एकना हेल्थ इंश्योरेंस लिंक के टीपीए
- स्टार हेल्थ जनरल इंश्योरेंस

एडवांस ट्रामा सेंटर

हमारी विशेषताएँ

- 24x7 आपातकालीन सेवा
- प्रशिक्षित एवं अनुभवी चिकित्सक
- आधुनिक उपकरण एवं टेक्नोलॉजी
- किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज
- स्वच्छ, सुरक्षित एवं आरामदायक वातावरण

ग्राम–चिखली, पोस्ट–जैवरा सिरसा, धमधा रोड, जिला–दुर्ग (छ.ग.)
(दुर्ग रेलवे स्टेशन से धमधा रोड पर 4 कि.मी. की दूरी पर)
Email:-srhandrc.durg@gmail.com

हेल्प लाईन नं.– | 6262613200 | 6262613300 | 6262613400

आपका स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता | सुरक्षित इलाज हमारी प्रतिबद्धता | समर्पित सेवा हमारा संकल्प | आपके स्वास्थ्य के साथ हर कदम पर

स्वतंत्रता से सुरक्षा तक, विरासत से विकास तक, नई पहचान गढ़ रहा छत्तीसगढ़

80वें स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त 2026

की समस्त छत्तीसगढ़ वासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सुशासन से समृद्धि की ओर...

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com